RNI : DELHIN/2015/64915 सांध्य संस्करण bharat.4thcolumn.in

NEWS 4TH COLUMN

डिजिटल संध्या

विचार

वर्ष 1 • अंक 4 • जगदलपुर रविवार, 22 नवंबर 2026 पृष्ठ 12 • ई-संस्करण: निःशुल्क

22 नवंबर सुबह 8:30 से 22 नवंबर शाम 6:30 तक की ख़बरें कुल ख़बरें: 35

भाजपा मोर्चों की संगठनात्मक बैठक, वेदप्रकाश पाण्डेय ने समन्वय पर दिया जोर

जगदलपुर में भाजपा जिला कार्यालय में संयुक्त मोर्चाओं की संगठनात्मक बैठक हुई। जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सक्रियता और समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया।



भाजपा मोर्चों की संगठनात्मक बैठक, वेदप्रकाश पाण्डेय ने समन्वय पर दिया (फ़ोटो: न्यूज़ डेस्क)

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। जगदलपुर में भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को संयुक्त मोर्चाओं की संगठनात्मक बैठक हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सभी मोर्चों से सक्रियता और समन्वय के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता उन्होंने ही की।

बैठक में पार्टी संगठन को अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। इसका महत्व इसलिए है कि मोर्चों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा और पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने की रणनीति पर विचार हुआ।

जिलाध्यक्ष पाण्डेय ने मोर्चों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की गतिविधियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठनात्मक कार्यों की निरंतरता और आपसी समन्वय पर भी बल दिया।

पूरी ख़बर: 4thcolumn.in/news/210/bjp-front-organisations-meeting-jagdalpur • पृष्ठ 2 भी देखें

इस अंक में

बस्तर संभाग

जगदलपुर: पड़ोसी पर चाकू से हमला कर हत्या, नाबालिग आरोपी… पृ. 3

बस्तर में बिहान की पहल: गांव में ही बिका 3850 क्विंटल… पृ. 3

जगदलपुर में पड़ोसी पर चाकू से हमला, मन्नू कश्यप की मौत;… पृ. 2

जगदलपुर में विश्व मात्स्यिकी दिवस पर बस्तर के किसानों… पृ. 3

बस्तर में बिहान की पहल: गांव में ही बिका 3850 क्विंटल… पृ. 3

हिमाचल की वादियों में बस्तर के NSS स्वयंसेवकों का… पृ. 2

छत्तीसगढ़

बेमेतरा की स्पेशल लोक अदालत में चेक बाउंस के 12 प्रकरण… पृ. 4

मुख्यमंत्री साय बोले, तेलुगु समाज छत्तीसगढ़ के विकास का… पृ. 5

कच्छ हादसे में मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख… पृ. 6

कोटा हादसे में मृतकों के परिजनों को 2 लाख, घायलों को 50… पृ. 6

केंद्रीय जेल रायपुर में 70 बंदियों को कौशल प्रशिक्षण के… पृ. 5

मुख्यमंत्री साय से चर्चा के बाद पटवारी संघ ने… पृ. 5

देश

लखनऊ में कौशल दीक्षांत समारोह: प्रधानमंत्री बोले, हुनर… पृ. 11

गोवा में इफ़्फी 2026 में प्रकाशन विभाग के स्टॉल का… पृ. 8

प्रसार भारती का 'पेज से पिच तक': इफ़्फी 57 में दस… पृ. 8

भारत-कनाडा सीईपीए वार्ता का छठा दौर नई दिल्ली में संपन्न पृ. 8

लद्दाख पर आधारित फिल्म 'बिकमिंग' इफ्फी में इंडियन… पृ. 9

IFFI 57: डॉक्यूमेंट्री निर्माण में भरोसा और नैतिक… पृ. 9

विज्ञापन



संक्षेप में

जगदलपुर में पड़ोसी पर चाकू से हमला, मन्नू कश्यप की मौत; नाबालिग गिरफ्तार

जगदलपुर के पनारा पारा में पड़ोसी विवाद के बाद नाबालिग ने चाकू से हमला कर मन्नू कश्यप की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। **(पृष्ठ 2)**

हिमाचल की वादियों में बस्तर के NSS स्वयंसेवकों का साहसिक सफर जारी

हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में बस्तर के NSS स्वयंसेवक ट्रेकिंग और साहसिक गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। जानिए पूरी खबर। **(पृष्ठ 2)**

बिन्ता और ककनार में धान खरीदी केंद्रों पर स्टाफ का अभाव, किसान परेशान

लोहंडीगुड़ा के बिन्ता और ककनार धान खरीदी केंद्रों में स्टाफ की कमी से किसानों का धान नहीं बिक पा रहा, ब्लॉक कांग्रेस ने प्रशासन से मांगी तत्काल व्यवस्था। **(पृष्ठ 3)**

भाजपा मोर्चों की संगठनात्मक बैठक, वेदप्रकाश पाण्डेय ने समन्वय पर दिया जोर

जगदलपुर में भाजपा जिला कार्यालय में संयुक्त मोर्चाओं की संगठनात्मक बैठक हुई। जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सक्रियता और समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया।



भाजपा मोर्चों की संगठनात्मक बैठक, वेदप्रकाश पाण्डेय ने समन्वय पर दिया (फ़ोटो: न्यूज़ डेस्क)

- जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय की अध्यक्षता में संयुक्त मोर्चाओं की बैठक
- मोर्चों के माध्यम से योजनाओं और गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने पर चर्चा
- जिला महामंत्री द्वय सहित मोर्चा पदाधिकारी और मंडल पदाधिकारी उपस्थित

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। जगदलपुर में भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को संयुक्त मोर्चाओं की संगठनात्मक बैठक हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सभी मोर्चों से सक्रियता और समन्वय के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता उन्होंने ही की।

बैठक में पार्टी संगठन को अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। इसका महत्व इसलिए है कि मोर्चों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा और पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने की रणनीति पर विचार हुआ।

जिलाध्यक्ष पाण्डेय ने मोर्चों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की गतिविधियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठनात्मक कार्यों की निरंतरता और आपसी समन्वय पर भी बल दिया।

बैठक में भाजपा जिला महामंत्री द्वय रजनीश पाणिग्राही और परीसराम बेसरा सहित मोर्चों के जिला पदाधिकारी, मंडलों के अध्यक्ष और महामंत्री उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार साझा किए और संगठन को मजबूत बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने पर चर्चा की।

जगदलपुर में पड़ोसी पर चाकू से हमला, मन्नू कश्यप की मौत; नाबालिग गिरफ्तार



जगदलपुर में पड़ोसी पर चाकू से हमला, मन्नू कश्यप की मौत; नाबालिग गिरफ्त (फ़ोटो: न्यूज़ डेस्क)

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। जगदलपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पनारा पारा में एक नाबालिग ने पड़ोसी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी जान ले ली। मृतक मन्नू कश्यप (45 वर्ष) हैं। वारदात शनिवार देर रात की बताई जा रही है, और रविवार को पुलिस ने फरार नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया है।

यह घटना इसलिए अहम है कि यह एक आम पड़ोसी विवाद के हिंसक अंजाम तक पहुँचने की तस्वीर सामने रखती है। जानकारी के अनुसार दोनों के बीच करीब एक महीने से किसी बात को लेकर तनातनी चल रही थी। आसपास की बस्तियों के लिए यह संकेत है कि छोटे-मोटे झगड़े भी समय रहते सुलझाए जाने चाहिए।

विज्ञप्ति के अनुसार शनिवार देर रात दोनों के बीच फिर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर नाबालिग ने मन्नू कश्यप के सिर और पेट पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल मन्नू कश्यप की मौत हो गई।

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग जुट गए और इलाके में भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच शुरू की। रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रारंभिक जानकारी में दोनों के बीच पुराना विवाद सामने आया है, लेकिन विवाद किस बात को लेकर था और हत्या किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस घटनास्थल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जाँच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

जगदलपुर सीएसपी अंशिका जैन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उनके अनुसार जाँच पूरी होने के बाद ही हत्या की वजह साफ़ हो सकेगी।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें

अपने व्यवसाय का विज्ञापन यहाँ दें

6261667774 •
4thcolumn.in@gmail.com

हिमाचल की वादियों में बस्तर के NSS स्वयंसेवकों का साहसिक सफर जारी



हिमाचल की वादियों में बस्तर के NSS स्वयंसेवकों का साहसिक सफर जारी (फ़ोटो: न्यूज़ डेस्क)

4thcolumn | हिमाचल प्रदेश

22 नवंबर। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के बस्तर के स्वयंसेवक हिमाचल प्रदेश की वादियों में आयोजित राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में साहसिक गतिविधियों के जरिए अपनी प्रतिभा और उत्साह दिखा रहे हैं। कैंप में ऊंची पहाड़ियों और घने जंगलों के दुर्गम रास्तों पर ट्रेकिंग के दौरान युवाओं का जोश साफ नज़र आ रहा है।

यह पहल बस्तर के छात्रों और युवाओं के लिए मायने रखती है, क्योंकि इससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर के मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिल रहा है। बस्तर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार के मार्गदर्शन में यह भागीदारी हो रही है।

जानकारी के अनुसार कैंप में भुवनेश्वर कश्यप, धर्मी ठाकुर, अवंतिका और गोविंद सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। पहाड़ों की ऊंची-नीची पगडंडियों और कठिन चढ़ाई के बावजूद स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए

टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप का उद्देश्य युवाओं में साहसिक भावना के साथ नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, शारीरिक और मानसिक मजबूती तथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के साथ अनुभव साझा करने से राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना भी मजबूत हो रही है।

आदिवासी संस्कृति और प्राकृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध बस्तर के युवा अब राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान गढ़ रहे हैं। जानकारी में कहा गया है कि इस कैंप में युवाओं की सहभागिता अन्य विद्यार्थियों और NSS स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

हिमाचल की वादियों में चल रहा यह साहसिक सफर स्वयंसेवकों के लिए नई सीख, नए अनुभव और लंबे समय तक याद रहने वाली उपलब्धि साबित हो रहा है।

बिन्ता और ककनार में धान खरीदी केंद्रों पर स्टाफ का अभाव, किसान परेशान



बिन्ता और ककनार में धान खरीदी केंद्रों पर स्टाफ का अभाव, किसान परेशान (फ़ोटो: न्यूज़ डेस्क)

4thcolumn | लोहंडीगुड़ा

22 नवंबर। लोहंडीगुड़ा के बिन्ता और ककनार धान खरीदी केंद्रों में पर्याप्त स्टाफ न होने से किसानों का हजारों क्विंटल धान बिक नहीं पा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ललित पांडे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रशासन और सरकार पर धान खरीदी की अव्यवस्था को लेकर निशाना साधा है।

धान खरीदी शुरू हुए एक सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन घाटी के नीचे बसे ग्राम बिन्ता और ककनार के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। इस स्थिति का सीधा असर उन किसानों पर पड़ता है जिनकी उपज पहले से ही संकट में है, क्योंकि खरीदी में देरी से उनकी आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है।

पांडे के अनुसार बस्तर जिले के किसान पहले ही चक्रवाती तूफानों और बेमौसम बारिश की मार झेल चुके हैं, जिससे हजारों हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हो गई है। ऐसे कठिन समय में बची-खुची उपज की समय पर खरीदी न होना किसानों के लिए और भारी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खरीदी में देरी के कारण पूरे क्षेत्र के किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं।

विज्ञप्ति में एक और समस्या की ओर भी ध्यान दिलाया गया है। पांडे ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के चलते पटवारियों की हड़ताल हुई, जिससे क्षेत्र में गिरदावली कार्य ठीक से पूरा नहीं हो पाया। उनके अनुसार इसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से मांग की है कि बिन्ता और ककनार खरीदी केंद्रों में तत्काल स्टाफ उपलब्ध कराकर धान खरीदी सुचारू रूप से शुरू की जाए। चेतावनी दी गई है कि ऐसा न होने पर कांग्रेस किसानों के हित में आंदोलन करने को बाध्य होगी।

जगदलपुर: पड़ोसी पर चाकू से हमला कर हत्या, नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। जगदलपुर के पनारा पारा में एक महीने से चल रहे पड़ोसी विवाद ने शनिवार देर रात खूनी रूप ले लिया, जब एक नाबालिग ने मन्नू कश्यप (45 वर्ष) के सिर और पेट पर चाकू से कई वार कर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद फरार हुए नाबालिग आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

यह घटना इसलिए अहम है कि आसपास की बस्तियों में आपसी विवाद कितनी जल्दी जानलेवा रूप ले सकता है। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात की जानकारी मिलते ही इलाके में भीड़ जुट गई, और पुलिस को मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालनी पड़ी।

विज्ञप्ति के अनुसार, मन्नू कश्यप और नाबालिग के बीच पिछले करीब एक महीने से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार देर रात दोनों के बीच एक बार फिर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर नाबालिग ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें गंभीर रूप से घायल मन्नू कश्यप की मौत हो गई।

पुलिस ने घटनास्थल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की है और आरोपी से पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जानकारी में पुराने विवाद की बात सामने आई है, लेकिन विवाद किस बात पर था और हत्या किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जगदलपुर सीएसपी अंशिका जैन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही हत्या की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

बस्तर में बिहान की पहल: गांव में ही बिका 3850 क्विंटल मक्का



बस्तर में बिहान की पहल: गांव में ही बिका 3850 क्विंटल मक्का (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | बकावंड

22 नवंबर। बस्तर जिले के बकावंड और दरभा विकासखंड के किसानों को अब अपनी उपज बेचने के लिए मंडी की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही, क्योंकि उनका 3850 क्विंटल मक्का गांव में ही बिक गया और मंडी से भी ऊंचे दाम पर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की यह पहल अब जमीन पर असर दिखाने लगी है, यह जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़ की ओर से जारी जानकारी में बताया गया है।

इस व्यवस्था का सीधा मतलब आम किसान की जेब से है। उपज को शहर या मंडी तक ढोने का भारी परिवहन भाड़ा और खर्च बचा है, और मंडी में अपनी बारी का इंतजार करने व औपचारिकताओं में लगने वाला समय भी। बिचौलियों की भूमिका कम होने से किसानों को उनके गांव की दहलीज पर ही उचित और ऊंचा मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ने की राह खुली है।

बिहान के तहत गठित 10 एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) की इस खरीदी में 'लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' बकावंड और 'मांजूर पांखी प्रोड्यूसर कंपनी' दरभा ने उत्पादक समूहों से जुड़े किसानों से मक्के की सीधी खरीदी की। इसके बाद यह मक्का स्थानीय व्यापारी 'सोमानी चंदन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड' को बेचा गया। जानकारी के अनुसार, पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और लाभकारी रही।

कंपनियां आगे की योजना भी बना रही हैं। किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए एनआरएलएम के माध्यम से इफको से पीओएस मशीन की मांग की गई है। मशीन मिलने पर एफपीसी के जरिए किसानों को समय पर, कम लागत और उचित दर पर इनपुट मिल सकेंगे, जिससे व्यापारियों और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होने की उम्मीद है।

एफपीसी के पदाधिकारियों ने कहा कि लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उनके अनुसार अब किसान अपनी उपज अच्छे दाम पर बेच सकेंगे और खेती के जरूरी संसाधन भी एक ही जगह से उचित दाम पर पा सकेंगे। इस आयोजन में बिहान के विकासखंड स्तरीय कर्मचारी, एफपीसी के निदेशक मंडल और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

जगदलपुर में विश्व मात्स्यिकी दिवस पर बस्तर के किसानों का संगम

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। जगदलपुर के टाउन हॉल में शनिवार को आयोजित संभाग स्तरीय 'विश्व मात्स्यिकी दिवस' पर बस्तर के सातों जिलों से आए मछुआ समितियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और प्रगतिशील मत्स्यपालक किसानों ने मत्स्यपालन को आजीविका का नया आधार बनाने का संकल्प लिया। यह एक दिवसीय संगोष्ठी और सम्मान समारोह मत्स्यपालन विभाग के आयोजन में हुआ।

मत्स्यपालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनाना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रहा। अतिथियों ने विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने और अधिक से अधिक लोगों को इस काम से जोड़ने का आह्वान किया, जिससे गांवों के परिवारों के लिए नए अवसर खुल सकें।

तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने किसानों की आय बढ़ाने के व्यावहारिक और वैज्ञानिक उपाय साझा किए। कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री ओम प्रकाश ने कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाले तिलापिया और झींगा पालन की आधुनिक तकनीकों तथा तालाब प्रबंधन की जानकारी दी। दंतेवाड़ा के सहायक संचालक मत्स्यपालन श्री वाईके देवांगन ने उन्नत तकनीकों के साथ राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया बताई।

पशुधन विकास विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. डीके नेताम ने मत्स्यपालन के साथ एकीकृत कुक्कुटपालन अपनाने पर विशेष जोर दिया। संभाग के प्रगतिशील कृषकों ने मंच से अपने नवाचार और अनुभव साझा किए, वहीं अतिथियों ने हितग्राहियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने।

समारोह का विशेष आकर्षण उत्कृष्ट समितियों का सम्मान रहा। छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित 'ठाकुर प्यारेलाल पुरस्कार' से सम्मानित लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम चित्रकोट की प्राथमिक कुडूक मछुआ एवं नौका विहार समिति को अतिथियों ने विशेष रूप से सम्मानित किया। समिति अनुदान योजना के तहत बस्तर जिले की 3 मछुआ सहकारी समितियों को मत्स्य आखेट के लिए जाल वितरित किए गए, जबकि मत्स्यपालकों और समितियों को आवश्यक उपकरण और सामग्री दी गई। पशुपालन विभाग की ओर से हितग्राहियों को पशुपालन मैत्री किट भी वितरित की गई।

बस्तर में बिहान की पहल: गांव में ही बिका 3850 क्विंटल मक्का

4thcolumn | जगदलपुर

22 नवंबर। बस्तर जिले के बकावंड और दरभा विकासखंड में किसानों को अब मंडी की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही, क्योंकि उनकी उपज गांव में ही मंडी से ऊंचे दाम पर बिक रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की पहल के तहत गठित किसान उत्पादक संगठनों ने 3850 क्विंटल मक्का की सीधी खरीदी की है। जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार यह पहल अब धरातल पर असर दिखाने लगी है।

यह व्यवस्था आम किसान के लिए सीधे फ़ायदे की बात है। परिवहन भाड़ा और मंडी तक ले जाने का खर्च बचा है, और मंडी में अपनी बारी

का इंतजार करने में लगने वाला समय भी। बिचौलियों की भूमिका कम होने से किसानों को गांव की दहलीज पर ही उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ने की राह खुली है।

विज्ञप्ति के अनुसार, बिहान के तहत गठित 10 एफपीओ में से लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (बकावंड) और मांजूर पांखी प्रोड्यूसर कंपनी (दरभा) ने उत्पादक समूहों से जुड़े किसानों से मक्का खरीदा। इसके बाद यह मक्का स्थानीय व्यापारी सोमानी चंदन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड को बेचा गया। खरीदी और बिक्री की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और लाभकारी रहने की बात कही गई है।

अब ये कंपनियां भविष्य में किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां भी उपलब्ध कराने की तैयारी में हैं। इसके लिए एनआरएलएम के माध्यम से कृषि विभाग के अधीन संस्था इफको से पीओएस मशीन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। मशीन मिलने पर किसानों को समय पर, कम लागत और उचित दर पर इनपुट मिल सकेंगे।

लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी के पदाधिकारियों ने कहा कि कंपनी का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उनके अनुसार अब किसान अपनी उपज अच्छे दाम पर बेच सकेंगे और खेती के जरूरी संसाधन भी एक ही जगह से उचित दाम पर पा सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में बिहान के विकासखंड स्तरीय कर्मचारी, एफपीसी के निदेशक मंडल और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान सक्रिय रहे।

विज्ञापन

VIKSIT BHARAT
FOURTH COLUMN WELFARE FOUNDATION
VBFC 2047

VBFC WELFARE FOUNDATION
विकसित भारत फोर्थ कॉलम वेलफेयर फाउंडेशन
सेवा • शिक्षा • समृद्धि
सेक्शन 8 • NGO दर्पण पंजीकृत • 12A • 80G

गाँव-शहर में सकारात्मक बदलाव के लिए
आप भी जुड़ें, सहयोग करें
दान पर 80G के तहत आयकर छूट
संपर्क: 93409 68165

बेमेतरा की स्पेशल लोक अदालत में चेक बाउंस के 12 प्रकरण निपटे, 51.04 लाख का अवार्ड

बेमेतरा में स्पेशल लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के 12 चेक बाउंस प्रकरण आपसी समझौते से निपटे, 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित।



बेमेतरा की स्पेशल लोक अदालत में चेक बाउंस के 12 प्रकरण निपटे, 51.04 ला (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

- **चेक बाउंस (धारा 138) के 12 लंबित प्रकरण आपसी समझौते से निपटे**
- **कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित**
- **जिला और तालुका स्तर पर तीन खण्डपीठों में सुनवाई हुई**

4thcolumn | बेमेतरा

22 नवंबर। बेमेतरा के जिला न्यायालय परिसर में आयोजित “स्पेशल लोक अदालत” में चेक बाउंस से जुड़े लंबित 12 प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण किया गया, और कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी जानकारी के अनुसार पक्षकारों के चेहरे पर इससे मुस्कान लौट आई।

यह आयोजन उन लोगों के लिए अहम है जिनके चेक अनादरण के मामले लंबे समय से अदालतों में लटके थे। परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के इन प्रकरणों का त्वरित, सरल और कम खर्च में निपटारा होने से पक्षकारों को अदालत के चक्कर से राहत मिली है, और उनके आपसी संबंध भी बने रहे।

आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा श्रीमती सरोज नंद दास के निर्देशन में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

जिला स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 और 02 तथा तालुका स्तर पर एक खण्डपीठ का गठन किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 01 की अध्यक्षता देवेन्द्र कुमार ने की, जहां धारा 138 के प्रकरण क्रमांक 37/2024 में अपीलार्थी को उत्तरवादी को 5,00,000 रुपये 10,000 रुपये प्रति माह की 50 किश्तों में देने का समझौता हुआ। प्रकरण क्रमांक 28/2024 में 1,50,000 रुपये 5,000 रुपये प्रति माह की 30 किश्तों में चुकाने पर सहमति बनी। प्रकरण क्रमांक 21/2024 में 5,00,000 रुपये के चेक की राशि 4,50,000 रुपये में राजीनामे से निपटाई गई, और इसी पीठ में 4 अन्य प्रकरण भी समाप्त हुए।

खण्डपीठ क्रमांक 02 में 4 प्रकरण निराकृत हुए, जबकि तालुका स्तर की खण्डपीठ में 1 प्रकरण राजीनामे के आधार पर निपटा। इन पीठों में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, बैंक प्रतिनिधि, न्यायालयीन कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर्स और पक्षकारों की सक्रिय भागीदारी रही।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के अनुसार लोक अदालत न्याय पाने का सबसे सरल और सुलभ माध्यम है। भविष्य में भी इस तरह की विशेष लोक अदालतों का आयोजन कर अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण की बात कही गई है।

विज्ञापन

VIKSIT BHARAT
FOURTH COLUMN WELFARE FOUNDATION
VBFC 2047

VBFC WELFARE FOUNDATION
विकसित भारत फोर्थ कॉलम वेलफेयर फाउंडेशन
सेवा • शिक्षा • समृद्धि
सेक्शन 8 • NGO दर्पण पंजीकृत • 12A • 80G

गाँव-शहर में सकारात्मक बदलाव के लिए
आप भी जुड़ें, सहयोग करें
दान पर 80G के तहत आयकर छूट
संपर्क: 93409 68165

विज्ञापन

विज्ञापन हेतु संपर्क करें
अपने व्यवसाय का विज्ञापन यहाँ दें
6261667774 •
4thcolumn.in@gmail.com

मुख्यमंत्री साय बोले, तेलुगु समाज छत्तीसगढ़ के विकास का अहम हिस्सा



मुख्यमंत्री साय बोले, तेलुगु समाज छत्तीसगढ़ के विकास का अहम हिस्सा (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | रायपुर

22 नवंबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में आयोजित 11वें ऑल इंडिया तेलुगु कॉन्फ्रेंस-2026 में कहा कि व्यापार, शिक्षा और उद्योग में तेलुगु समाज ने अपनी प्रतिभा और उद्यमशीलता से छत्तीसगढ़ में विशिष्ट पहचान बनाई है। राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में हुए इस सम्मेलन में उन्होंने समाज के योगदान की सराहना की।

जनसंपर्क विभाग के अनुसार, इस सम्मेलन का महत्व आम नागरिकों के लिए इस बात में है कि रायपुर से विशाखापत्तनम तक विकसित की जा रही भारतमाला सड़क परियोजना से दोनों राज्यों के बीच आवागमन आसान होगा। यात्रा का समय और दूरी घटने से माल परिवहन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ और तेलुगु समाज के बीच दशकों पुराने आत्मीय संबंध का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि समाज ने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को अपनी कर्मभूमि बनाया है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सांस्कृतिक विविधता है, और विभिन्न भाषाओं व परंपराओं का यही संगम राष्ट्रीय एकता की शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में आंध्रा एसोसिएशन की 50 वर्षों की यात्रा की विशेष सराहना की। उन्होंने इसे सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक संरक्षण और सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण बताया। संगठन ने समाज को एक सूत्र में जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने में भी भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने भिलाई स्टील प्लांट जैसे औद्योगिक संस्थान में तेलुगु समाज से जुड़े इंजीनियरों, प्रबंधकों और तकनीकी विशेषज्ञों के योगदान का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार समाज की इस कर्मठता से प्रदेश के औद्योगिक विकास को निरंतर मजबूती मिली है।

सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के बैरमपुर से आए रिंग डांस समूह, श्री बालाजी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों और अन्य कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मद्दी सहित आंध्रा एसोसिएशन के पदाधिकारी और समाज के सदस्य उपस्थित थे।

केंद्रीय जेल रायपुर में 70 बंदियों को कौशल प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र मिले



केंद्रीय जेल रायपुर में 70 बंदियों को कौशल प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र मि (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | रायपुर

22 नवंबर। केंद्रीय जेल रायपुर में रविवार को 70 बंदियों को कंप्यूटर और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 'निश्चय कार्यक्रम' के अंतर्गत 40 पुरुष बंदियों ने कंप्यूटर की बुनियादी बातें सीखीं, जबकि 30 महिला बंदियों ने ब्यूटी पार्लर और हेयर ड्रेसिंग का प्रशिक्षण पूरा किया। जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के जनसंपर्क विभाग के अनुसार यह आयोजन बंदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में एक ठोस कदम है।

यह पहल बंदियों को रिहाई के बाद सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से की गई है। हुनर पाकर बंदी स्वरोजगार की राह पकड़ सकेंगे और समाज की मुख्यधारा में लौटने का आधार मजबूत होगा। जेल में बिताए समय का रचनात्मक उपयोग भी इससे संभव हो रहा है।

प्रशिक्षण भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के जन शिक्षण संस्थान निदेशालय तथा जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। पुरुष बंदियों को 'कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट' तथा महिला बंदियों को 'असिस्टेंट हेयर ड्रेसर (एडवांस)' के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के महानिदेशक श्री हिमांशु गुप्ता ने प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए बंदियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जेलों में शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना सुधारात्मक प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उनके अनुसार डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा रोजगार और स्वरोजगार का महत्वपूर्ण आधार बन गई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जन शिक्षण संस्थान रायपुर के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री ठाकुर राम सिंह ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले बंदियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के साथ जीवन में नई संभावनाएँ खोलते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री, जन शिक्षण संस्थान रायपुर के निदेशक श्री अतुल सिंह और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली के छत्तीसगढ़-झारखंड स्टेट एंगेजमेंट ऑफिसर श्री वैभव अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय से चर्चा के बाद पटवारी संघ ने राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित की



मुख्यमंत्री साय से चर्चा के बाद पटवारी संघ ने राज्यव्यापी हड़ताल स्थगि (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | मुख्यमंत्री निवास, रायपुर

22 नवंबर। छत्तीसगढ़ पटवारी संघ ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सकारात्मक बातचीत के बाद अपनी राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने पटवारियों की वेतन विसंगति और पदोन्नति संबंधी मांगों के परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं।

यह फ़ैसला उन हज़ारों पटवारियों और उनसे काम लेने वाले आम नागरिकों के लिए मायने रखता है, जिन्हें हड़ताल के दौरान राजस्व संबंधी कामकाज में व्यवधान की आशंका थी। जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार अब मांगों के समाधान की प्रक्रिया बातचीत के रास्ते आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री निवास में आज पटवारी संघ के पदाधिकारियों की औपचारिक मुलाकात हुई। पदाधिकारियों ने अपनी मांगों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी, और मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक और सहानुभूति के साथ सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की उचित मांगों का समाधान संवाद और आपसी समझ से ही होना चाहिए, और राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है।

उच्चस्तरीय समिति वेतन विसंगति और पदोन्नति से जुड़ी मांगों के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण करेगी और उनके निराकरण के संबंध में अपनी अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि हड़ताल अवधि में हुई कार्यवाहियों के संबंध में सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की इस पहल पर छत्तीसगढ़ पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया है। विज्ञप्ति के अनुसार संघ ने मांगों

पर सकारात्मक रुख अपनाने और समिति गठन के निर्देशों की सराहना की है।

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला



मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | रायपुर

22 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग 23 नवंबर को मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित करेगा। राज्यपाल श्री रमेन डेका इसका शुभारंभ करेंगे, जबकि समापन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में होगा। जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

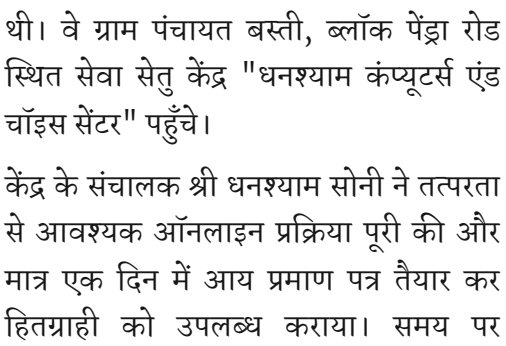
यह आयोजन उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है जो पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सहायता पहुंचाने की व्यवस्था से जुड़े हैं। कार्यशाला में कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, पुलिस की भूमिका, जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया तथा पीड़ित महिलाओं के संरक्षण और सहायता के उपायों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों और संस्थाओं के बीच समन्वय बढ़ाकर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के साथ राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से और पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सह-आयोजन में होगा। विश्वविद्यालय सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में न्यायपालिका, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, उच्च शिक्षा और स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़े करीब 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यशाला में तीन तकनीकी सत्र होंगे। पहले सत्र में छत्तीसगढ़ के संदर्भ में मानव तस्करी की चुनौतियों पर विचार होगा, जिसकी अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम करेंगे। दूसरे सत्र में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन पर चर्चा होगी, जिसकी अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव करेंगी। तीसरे सत्र में शैक्षणिक और मनोसामाजिक दृष्टिकोण से विषय के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारी, विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि, विधि के विद्यार्थी और स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल होंगे। सत्रों में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और शक्ति वाहिनी के संस्थापक श्री रविकांत, मजलिस सेंटर ऑफ लॉ की निदेशक सुश्री एंड्रिया डी'मेलो, नीति आयोग की प्रतिनिधि सुश्री प्रोतिति साहा, डालसा के श्री अविनाश दुबे और मनोचिकित्सक श्रीमती सोनिया परियर सहित कई विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे।

सेवा सेतु केंद्र से गंगोत्री को एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र



सेवा सेतु केंद्र से गंगोत्री को एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | पेंड्रा रोड

22 नवंबर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में ग्राम पंचायत बस्ती की छात्रा गंगोत्री को स्कॉलरशिप फॉर्म के लिए आवश्यक आय प्रमाण पत्र मात्र एक दिन में मिल गया। जनसंपर्क विभाग के अनुसार, यह सुविधा राज्य शासन की सेवा सेतु पहल के माध्यम से मिली।

बच्चों की पढ़ाई के लिए दस्तावेज़ समय पर मिलना अक्सर परिवारों के लिए बड़ी चुनौती होती है। इस मामले में स्थानीय स्तर पर ही शासकीय सेवा मिलने से गंगोत्री के शैक्षणिक कार्य में रुकावट नहीं आई और परिवार को राहत मिली।

गंगोत्री के पिता श्री संग्राम सिंह को शिक्षा के लिए आय प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता थी। वे ग्राम पंचायत बस्ती, ब्लॉक पेंड्रा रोड स्थित सेवा सेतु केंद्र "धनश्याम कंप्यूटर्स एंड चॉइस सेंटर" पहुँचे।

केंद्र के संचालक श्री धनश्याम सोनी ने तत्परता से आवश्यक ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की और मात्र एक दिन में आय प्रमाण पत्र तैयार कर हितग्राही को उपलब्ध कराया। समय पर दस्तावेज़ मिलने से गंगोत्री शैक्षणिक कार्य के लिए आवश्यक कागज़ात जुटा सकीं।

हितग्राही श्री संग्राम सिंह ने इस त्वरित सेवा पर प्रसन्नता व्यक्त की। विभाग के अनुसार, सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को स्थानीय स्तर पर शासकीय सेवाएँ सुगम और समयबद्ध तरीके से मिल रही हैं।

रायगढ़: 7-8 एकड़ में गेंदा फूल, विद्याधर पटेल की खेती से ओडिशा तक आपूर्ति



रायगढ़: 7-8 एकड़ में गेंदा फूल, विद्याधर पटेल की खेती से ओडिशा तक आपूर्ति (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | कोड़केल

22 नवंबर। लैलूंगा विकासखंड के ग्राम कोड़केल के किसान विद्याधर पटेल 7 से 8 एकड़ में गेंदा फूल की खेती से लाखों रुपये कमा रहे हैं। उनके खेतों में तैयार फूल छत्तीसगढ़ के कई जिलों के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा तक पहुंच रहे हैं। जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़ की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, यह खेती सही योजना और बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव से बेहतर आमदनी का जरिया बन सकती है।

यह कहानी उन किसानों के लिए अहम है जो पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर नकदी फसल अपनाना चाहते हैं। विद्याधर पटेल के अनुसार गेंदा की खेती में प्रति एकड़ करीब 1 से 1.5 लाख रुपये की लागत आती है, जबकि एक एकड़ से लगभग 5 लाख रुपये तक की बिक्री होती है। दशहरा से दीपावली तक फूलों की सर्वाधिक मांग रहती है, इसलिए वे इसी अवधि को ध्यान में रखकर उत्पादन और बिक्री की तैयारी करते हैं।

विद्याधर पटेल ने वर्ष 1994-95 से सब्जी-भाजी की खेती शुरू की थी। रायपुर और रायगढ़ की कृषि प्रदर्शनियों में गेंदा फूल की अच्छी मांग और बिक्री देखकर उन्होंने वर्ष 2007-08 में इसकी व्यावसायिक खेती शुरू की और धीरे-धीरे रकबा बढ़ाया। शुरुआत में बीज का अंकुरण ठीक न होने से पौधे तैयार होने में देरी होती थी। इस समस्या का हल उन्होंने पॉलीबैग में पौधे तैयार करके निकाला, जिससे त्योहार के समय बाजार में फूल न पहुंच पाने और नुकसान का खतरा कम हुआ।

फूलों की आपूर्ति सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, संबलपुर और बरगढ़ सहित ओडिशा के कई क्षेत्रों में होती है। छत्तीसगढ़ में सारंगढ़, रायगढ़, सक्ती, चांपा, कोरबा, अंबिकापुर और जशपुर तक फूल भेजे जाते हैं। सीजन में प्रतिदिन लगभग 12 से 15 गाड़ियों से वितरण होता है। बिक्री नगद होती है और श्रमिकों तथा वाहन चालकों का भुगतान नियमित रूप से किया जाता है।

इस खेती से गांव के 15 से 20 श्रमिकों को नियमित काम मिल रहा है, जबकि फूल पहुंचाने के लिए प्रतिदिन 8 से 10 वाहन किराये पर लिए जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को भी रोजगार मिलता है। पत्नी और तीनों बेटियां खेती के काम में बराबर सहयोग करती हैं। गेंदा का सीजन समाप्त होने के बाद वे लगभग 4 से 5 एकड़ में भिंडी, बरबट्टी, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी मौसमी सब्जियां भी उगाते हैं और छत्तीसगढ़ की पारंपरिक छत्तीस भाजी अपनी बाड़ी में तैयार करते हैं।

सीएम हेल्पलाइन 1076 की शिकायत पर रायगढ़ के कुमा में बंद सोलर पंप फिर चालू



सीएम हेल्पलाइन 1076 की शिकायत पर रायगढ़ के कुमा में बंद सोलर पंप फिर च (फ़ोटो: जनसंपर्क विभाग, छत्तीसगढ़)

4thcolumn | कुमा

22 नवंबर। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम कुमा में बंद पड़ा सोलर ड्यूल पंप सीएम हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज शिकायत के बाद फिर चालू हो गया है। जनसंपर्क विभाग के अनुसार, पंप की तकनीकी खराबी दूर होते ही ग्रामीणों को पेयजल मिलने लगा है।

यह कार्रवाई इसलिए अहम है क्योंकि पंप बंद होने से ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही थी। अब गांव के निवासियों के साथ-साथ वहां से गुजरने वाले राहगीरों को भी दिन-रात शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल रही है। सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, यह पंप जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था के लिए स्थापित किया गया था।

ग्राम कुमा निवासी सुरेश राठिया ने पंप के अकार्यशील होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने पर क्रेडा जिला कार्यालय रायगढ़ के अधिकारी विक्रम वर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और तकनीकी टीम के माध्यम से पंप की जांच कराई। जांच में तकनीकी खराबी पाए जाने पर क्रेडा के मैकेनिक ने तत्काल सुधार कार्य कराया।

आवश्यक मरम्मत के बाद सोलर ड्यूल पंप को दोबारा चालू कर दिया गया और वर्तमान में वह सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। शिकायतकर्ता सुरेश राठिया ने समस्या के निराकरण पर संतोष जताया। वहीं ग्रामवासियों ने पेयजल सुविधा बहाल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया।

सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से शिकायतों का समय पर समाधान होने की बात भी विभाग ने कही है। विज्ञप्ति के अनुसार, इससे लोगों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है।

कच्छ हादसे में मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख की सहायता

4thcolumn | कच्छ

22 नवंबर। गुजरात के कच्छ में हुए हादसे में लोगों की मृत्यु पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है। हादसे में मृत हर व्यक्ति के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। प्रभावित परिवारों के लिए यह राहत सीधे आर्थिक सहारे के रूप में पहुँचेगी।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "गुजरात के कच्छ में हुए हादसे में लोगों की मृत्यु से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के माध्यम से जारी की गई है। विज्ञप्ति में हादसे के कारण, स्थान के भीतर का ब्योरा या घायलों और मृतकों की संख्या का उल्लेख नहीं है।

कोटा हादसे में मृतकों के परिजनों को 2 लाख, घायलों को 50 हज़ार रुपये

4thcolumn | कोटा

22 नवंबर। राजस्थान के कोटा में हुए हादसे में लोगों की मृत्यु पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र सूचना कार्यालय (PIB) की विज्ञप्ति में दी गई है।

हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। घायलों को 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। पीड़ित परिवारों के लिए यह राहत सीधे उनके आर्थिक संकट के समय में सहारा बन सकती है।

प्रधानमंत्री ने इस घटना पर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर भी संदेश पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कोटा में हुए दर्दनाक हादसे में लोगों की मृत्यु की खबर सुनकर उन्हें अत्यंत दुख हुआ है। उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से अंग्रेज़ी में भी यही संदेश जारी किया गया है, जिसमें मृतकों के निकटतम परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता देने की बात कही गई है।

विज्ञप्ति में हादसे की प्रकृति, स्थान के विस्तृत विवरण, मृतकों या घायलों की संख्या और इसकी जाँच से जुड़ी जानकारी नहीं दी गई है।

धमतरी की वनौषधि मण्डी नीमच मॉडल पर होगी विकसित, कार्ययोजना तैयार

4thcolumn | धमतरी

22 नवंबर। धमतरी की वनौषधि मण्डी को अब नीमच की प्रमुख औषधीय मण्डी की तर्ज पर आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी है। जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, अधिकारियों के दल ने 17 से 20 नवंबर 2026 तक नीमच (मध्यप्रदेश) की मण्डी का अध्ययन भ्रमण किया, और उसी अनुभव के आधार पर श्यामतराई स्थित वनौषधि मण्डी के चरणबद्ध विकास की कार्ययोजना बनाई जाएगी।

यह पहल उन किसानों और लघु वनोपज संग्राहकों के लिए मायने रखती है, जिन्हें अब तक अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने में कठिनाई होती रही है। विज्ञप्ति के अनुसार, व्यवस्थित बाजार, बेहतर मूल्य और स्थानीय स्तर पर रोजगार व उद्यमिता को बढ़ावा देना इस पहल का मुख्य लक्ष्य है। वनौषधि मण्डी का शुभारंभ 12 अक्टूबर 2026 को नवीन कृषि उपज मण्डी, श्यामतराई में किया गया था।

दल ने नीमच मण्डी में अश्वगंधा, चिया सीड्स, अकरकरा, सर्पगंधा, कालमेघ, क्विनोआ, अजवाइन, कलौंजी और अम्बाड़ी सहित विभिन्न उत्पादों की आवक, वर्गीकरण, नीलामी और विपणन प्रक्रिया का अवलोकन किया। मण्डी के सचिव, निरीक्षकों, व्यापारियों और औषधीय फसल उत्पादक किसानों से चर्चा कर नीलामी, भुगतान व्यवस्था और गुणवत्ता परीक्षण की जानकारी भी ली गई।

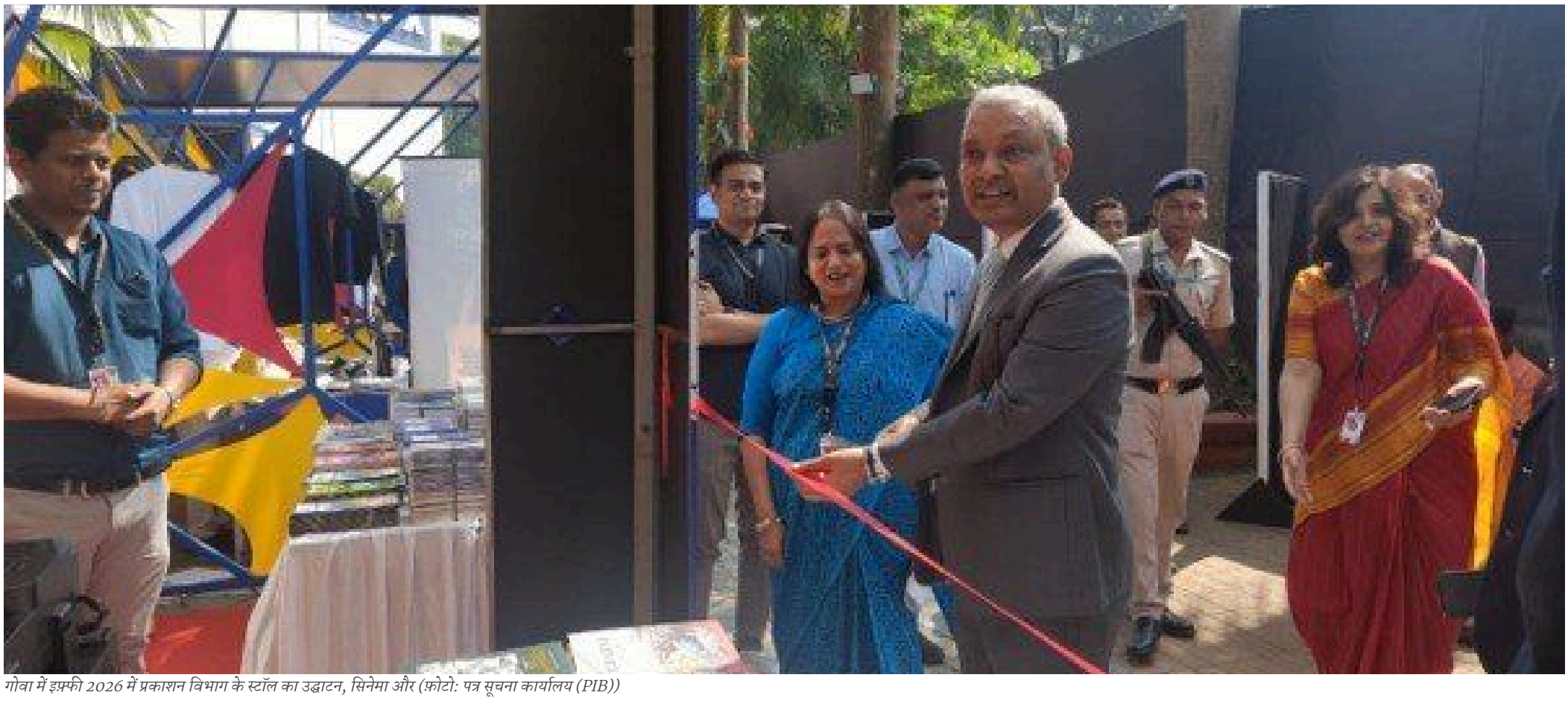
अधिकारियों ने गुणवत्ता जांच, छंटाई, ग्रेडिंग, भंडारण और प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि धमतरी में ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी, जिनसे किसान और संग्राहक उपज को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार कर सकें।

प्रस्तावित कार्ययोजना में मण्डी परिसर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, उपज के संकलन और भंडारण की व्यवस्था, छंटाई एवं ग्रेडिंग केंद्र, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला तथा प्रसंस्करण और पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही किसानों को बाजार भाव और खरीदारों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा व्यवस्थित नीलामी प्रणाली विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार होगा, ताकि बिचौलियों पर निर्भरता कम हो।

अध्ययन दल में अनुविभागीय कृषि अधिकारी, धमतरी श्री मनोज सागर, डीपीडी आत्मा श्री एफ.एल. पटेल और मण्डी निरीक्षक श्री रामजी वैष्णव शामिल रहे। विज्ञप्ति के अनुसार, कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश और उप संचालक कृषि, धमतरी के मार्गदर्शन में यह भ्रमण किया गया। यदि यह योजना जमीन पर उतरती है, तो धमतरी औषधीय कृषि और वन आधारित उत्पादों के एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में उभर सकता है।

गोवा में इफ़्फ़ी 2026 में प्रकाशन विभाग के स्टॉल का उद्घाटन, सिनेमा और साहित्य का संगम

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री चंचल कुमार ने गोवा में 57वें इफ़्फ़ी में प्रकाशन विभाग के स्टॉल संख्या 24 का उद्घाटन किया। जानें स्टॉल की विशेषताएँ।



गोवा में इफ़्फ़ी 2026 में प्रकाशन विभाग के स्टॉल का उद्घाटन, सिनेमा और (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

- सचिव श्री चंचल कुमार ने इफ़्फ़ी 2026 में प्रकाशन विभाग का स्टॉल (संख्या 24) किया शुरू
- स्टॉल पर भारतीय सिनेमा, इतिहास, कला और साहित्य पर आधारित पुस्तकों का संग्रह
- महोत्सव 20 से 28 नवंबर, 2026 तक गोवा में आयोजित

4thcolumn | गोवा

22 नवंबर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री चंचल कुमार ने गोवा में आयोजित 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ़्फ़ी 2026) में प्रकाशन विभाग के स्टॉल (स्टॉल संख्या 24) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रकाशन विभाग की महानिदेशक श्रीमती कंचन प्रसाद भी उपस्थित थीं।

इफ़्फ़ी का 57वां संस्करण 20 से 28 नवंबर, 2026 तक गोवा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत और दुनिया भर के फिल्म निर्माता, सिनेमा प्रेमी, फिल्म उद्योग के पेशेवर और प्रतिनिधि एकत्रित हो रहे हैं। ऐसे आयोजन में फिल्मों के साथ पुस्तकों के लिए जगह बनना, सिनेमा और साहित्य को एक-दूसरे के करीब लाता है।

स्टॉल संख्या 24 पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, कला, सिनेमा, साहित्य और राष्ट्रीय महत्त्व के अन्य विषयों पर आधारित पुस्तकों एवं प्रकाशनों का विविध संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यह स्टॉल आगंतुकों को देश की सांस्कृतिक विविधता, रचनात्मक परंपराओं और बौद्धिक विरासत को समझने का अवसर देता है।

भारतीय सिनेमा से जुड़े प्रकाशनों पर विशेष ध्यान दिया गया है। ये प्रकाशन फिल्म प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और प्रतिनिधियों को सिनेमा के विकास, फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक यात्राओं और भारत की सिनेमाई विरासत में प्रमुख हस्तियों के योगदान को गहराई से जानने का मौका देते हैं।

प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख प्रकाशन संस्थान है, जो वर्ष 1941 से विभिन्न विषयों पर पुस्तकें और पत्रिकाएं प्रकाशित कर रहा है। विभाग के अनुसार, इफ़्फ़ी में उसकी भागीदारी पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने, पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाने और मूल्यवान ज्ञान को व्यापक जनसमूह तक पहुँचाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, यह स्टॉल सिनेमा को साहित्य से जोड़ने वाले मंच के रूप में काम करता है। इससे महोत्सव के प्रतिनिधियों और आगंतुकों को पर्दे से परे भारत की समृद्ध कथा-कहन परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिलता है। प्रकाशन विभाग ने इस भागीदारी के जरिए वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए देश की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें

अपने व्यवसाय का विज्ञापन यहाँ दें

6261667774 •
4thcolumn.in@gmail.com

प्रसार भारती का 'पेज से पिच तक': इफ़्फ़ी 57 में दस प्रतिभागियों ने पटकथाएं रखीं



प्रसार भारती का 'पेज से पिच तक': इफ़्फ़ी 57 में दस प्रतिभागियों ने पटकथ (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। पणजी में चल रहे 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ़्फ़ी) में प्रसार भारती ने उभरते कथाकारों के लिए अपनी पहली पटकथा प्रस्तुति प्रयोगशाला 'पेज से पिच तक' का उद्घाटन किया। उद्घाटन दिवस पर दस प्रतिभागियों ने प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के सामने अपनी मौलिक पटकथाएं रखीं। विजेताओं की घोषणा 24 नवंबर, 2026 को होगी।

यह पहल उन लेखकों के लिए अहम है जिनके पास कहानियां तो हैं, पर फिल्म उद्योग तक पहुंच नहीं। प्रसार भारती का उद्देश्य उभरते लेखकों को फिल्म उद्योग के पेशेवरों से जोड़ना और उनकी मूल अवधारणाओं को फीचर फिल्मों, वृत्तचित्रों तथा लघु फिल्मों के रूप में विकसित करने के अवसर देना है। भविष्य में इसे एक वार्षिक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित करने की योजना है।

प्रसार भारती के अध्यक्ष पद्मश्री प्रसून जोशी की परिकल्पना पर आधारित इस मंच में देशभर के लेखक फीचर फिल्मों, वृत्तचित्रों और लघु फिल्मों की श्रेणियों में दस भारतीय भाषाओं में अपनी पटकथाएं प्रस्तुत कर सकेंगे। यह प्रयोगशाला 21 से 23 नवंबर, 2026 तक आयोजित हो रही है।

उद्घाटन के अपने संबोधन में श्री प्रसून जोशी ने व्यक्तिगत अनुभवों और सांस्कृतिक दृष्टिकोणों पर आधारित प्रामाणिक कथा-कथन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के हर क्षेत्र और लोक परंपरा की अपनी विशिष्ट कथाएं हैं, जिन्हें वहां की मूल संस्कृति की समझ से ही सही मायने में कहा और समझा जा सकता है। दूरदर्शन की महानिदेशक सुश्री रीना सोनवाल कौली ने स्वागत भाषण में इस पहल की भूमिका को भारत की भाषाई और रचनात्मक विविधता के प्रदर्शन से जोड़ा।

निर्णायक मंडल में पद्मश्री मनोज जोशी, संदीप बालकृष्ण, श्री नारायण सिंह और अनंत विजय शामिल हैं। मनोज जोशी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त अभिनेता हैं, संदीप बालकृष्ण इतिहास, संस्कृति और साहित्य के लेखक-संपादक हैं, नारायण सिंह फिल्म निर्माता एवं संपादक हैं, और अनंत विजय राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित पत्रकार व फिल्म समीक्षक हैं। उद्घाटन समारोह में प्रेस सूचना ब्यूरो के प्रधान महानिदेशक श्री धीरेंद्र ओझा, भारत के प्रेस रजिस्ट्रार जनरल श्री योगेश कुमार बावेजा और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री पृथुल कुमार भी उपस्थित रहे।

भारत-कनाडा सीईपीए वार्ता का छठा दौर नई दिल्ली में संपन्न



भारत-कनाडा सीईपीए वार्ता का छठा दौर नई दिल्ली में संपन्न (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | अंतर्राष्ट्रीय

22 नवंबर। भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की वार्ता का छठा दौर 11 से 20 नवंबर 2026 के बीच नई दिल्ली में संपन्न हुआ। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार दोनों देश एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इस दौर में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, मूल के नियम, व्यापार उपचार, बौद्धिक संपदा और निवेश को प्रोत्साहन जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

यह वार्ता इसलिए अहम है कि प्रस्तावित समझौते से दोनों देशों के किसानों, उद्योगों, व्यवसायों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ठोस लाभ मिलने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के अनुसार समझौता बाजार तक सार्थक पहुंच देने और व्यापार व निवेश के नए अवसर खोलने पर केंद्रित है। आम पाठक के लिए इसका अर्थ है कि भविष्य में दोनों देशों के बीच व्यापार का दायरा बढ़ने की दिशा तय हो रही है।

वार्ता की शुरुआत 11 नवंबर को नई दिल्ली में एक सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक बैठक से हुई। इसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू शामिल हुए। दोनों मंत्रियों ने वार्ता में हुई प्रगति की समीक्षा की और अपनी-अपनी टीमों को चर्चा को सार्थक ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति के अनुसार बातचीत के विभिन्न स्तरों पर रचनात्मक चर्चा हुई और दोनों पक्षों ने आगे बढ़ने की दिशा में प्रगति की।

वार्ता के समापन की ओर बढ़ते क्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने नई दिल्ली में कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार उप-मंत्री ग्लेन पुरवेस और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसमें छठे दौर की प्रगति और सीईपीए से जुड़ी चर्चाओं की समग्र स्थिति का आकलन किया गया। दोनों पक्षों ने महत्वाकांक्षी, संतुलित और व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौता पूरा करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

वार्ता का नेतृत्व भारत की ओर से मुख्य वार्ताकार डॉ. बृज मोहन मिश्र और कनाडा की ओर से मुख्य वार्ताकार सुश्री मैरी-कैथरीन स्पियर्स ने किया। दोनों देशों के नेताओं द्वारा तय की गई समय-सीमा के भीतर बातचीत पूरी करने का साझा लक्ष्य इन चर्चाओं का मुख्य प्रेरक रहा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि छठे दौर का सफल समापन द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने में दोनों पक्षों की निरंतर भागीदारी को दर्शाता है।

लद्दाख पर आधारित फिल्म 'बिकमिंग' इफ्फी में इंडियन पैनोरमा की उद्घाटन फिल्म



लद्दाख पर आधारित फिल्म 'बिकमिंग' इफ्फी में इंडियन पैनोरमा की उद्घाटन फ (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | गोवा

22 नवंबर। भाषा संवाद का केवल एक माध्यम है, जबकि मानवीय भावनाएं शब्दों की सीमाओं से परे होती हैं, यह बात निर्देशक लीना यादव ने गोवा में 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। लद्दाख पर आधारित नॉन-फीचर फिल्म 'बिकमिंग' इंडियन पैनोरमा 2026 की उद्घाटन फिल्म के रूप में चुनी गई है।

यह फिल्म इसलिए मायने रखती है क्योंकि इसमें लद्दाख की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के माध्यम से एक आध्यात्मिक यात्रा दिखाई गई है। फिल्म पुनर्जन्म, पहचान, नियति और अतीत तथा वर्तमान के बीच संबंध जैसे विषयों को सामने लाती है, जो दर्शकों को भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे एक अलग अनुभव देती है।

सुश्री यादव ने बताया कि फिल्म में ज़्यादातर हिंदी में संवाद हुए, जबकि कई स्थानीय और गैर-पेशेवर कलाकार लद्दाखी बोलते थे और उन्हें हिंदी की बहुत कम जानकारी थी। इसके बावजूद कलाकार अपने किरदारों की भावनाएं समझकर उन्हें पर्दे पर प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सफल रहे। उनके अनुसार इस अनुभव ने यह सिखाया कि संवाद के लिए केवल शब्द ज़रूरी नहीं, बल्कि दूसरों की बात ध्यान से सुनना और संवेदनशीलता भी उतनी ही अहम है।

कहानी लद्दाख के एक छोटे लड़के अग्याल के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रकृति के साथ उसका अनोखा जुड़ाव और पिछले जन्म से जुड़ी प्रतीत होने वाली यादें उसे प्राचीन लिकिर मठ तक ले जाती हैं। जब अग्याल एक पूजनीय रिमपोचे से जुड़ी वस्तुओं को पहचानने लगता है, तो मठ के भिक्षुओं को विश्वास होने लगता है कि संभवतः वही उस आध्यात्मिक गुरु का पुनर्जन्म है।

निर्माता एवं सिनेमैटोग्राफर असीम बजाज के अनुसार फिल्म का विचार लद्दाख में कठिन परिस्थितियों में कैमरा उपकरणों की क्षमता परखने के दौरान आया। फिल्म में कोई विज़ुअल इफेक्ट्स नहीं है; कहानी लद्दाख के प्राकृतिक नज़ारों और वास्तविक लोकेशन पर की गई सिनेमैटोग्राफी से पर्दे पर उतारी गई है। शूटिंग के दौरान तापमान शून्य से लगभग 20 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंचा, फिर भी कैमरा उपकरणों ने बिना किसी परेशानी के काम किया।

लाहौर...

IFFI 57: डॉक्यूमेंट्री निर्माण में भरोसा और नैतिक जिम्मेदारी ज़रूरी: जूली बर्टुसेली



IFFI 57: डॉक्यूमेंट्री निर्माण में भरोसा और नैतिक जिम्मेदारी ज़रूरी: ज (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। फिल्म निर्माता जूली बर्टुसेली ने कहा है कि डॉक्यूमेंट्री बनाना केवल वास्तविकता को कैमरे में कैद करना नहीं, बल्कि लोगों का भरोसा जीतने और उनके जीवन को पर्दे पर पेश करने की जिम्मेदारी उठाना है। पणजी की कला अकादमी में 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) के दौरान आयोजित चर्चा सत्र में उन्होंने यह बात राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता हाओबम पाबन कुमार के साथ बातचीत में रखी।

यह विचार आम दर्शकों के लिए इसलिए मायने रखता है क्योंकि डॉक्यूमेंट्री उन लोगों की कहानी कहती है जो प्रायः अनसुने रह जाते हैं। बर्टुसेली के अनुसार ऐसी फिल्में उन लोगों के जीवन पर गहरा असर डाल सकती हैं, और कभी-कभी उन्हें जोखिम में भी डाल सकती हैं। इसलिए फिल्म बनाने वालों से संवेदनशीलता और जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक है।

बर्टुसेली ने समुदायों के साथ समय बिताने और लोगों को कैमरे की मौजूदगी में सहज होने देने पर ज़ोर दिया। उनका मानना है कि लोगों को उनके रोजमर्रा के माहौल में देखने से फिल्म निर्माता यह समझ पाते हैं कि लोग स्वयं को कैसे देखते हैं और समाज उन्हें किस रूप में देखे, इस बारे में वे क्या चाहते हैं। संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे युवा फिल्म निर्माताओं के सवाल के जवाब में उन्होंने भरोसे, लंबे जुड़ाव और अपने काम का उद्देश्य स्पष्ट रूप से बताने की सलाह दी।

सामाजिक बदलाव में सिनेमा की भूमिका पर उन्होंने कहा कि फिल्में रातों-रात समाज नहीं बदल सकतीं, पर वे लोगों की सोच को आकार दे सकती हैं। उन्होंने कहा, "अगर मैं कुछ लोगों के मस्तिष्क में बस एक छोटा सा बीज भी बो सकूं, तो यह बहुत बड़ी बात है।" उन्हें ऐसी फिल्में पसंद हैं जो आशा जगाती हैं और सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

अपनी रचनात्मक प्रक्रिया पर उन्होंने बताया कि डॉक्यूमेंट्री के विचार प्रायः अचानक हुई मुलाकातों, किसी खास जगह या जिज्ञासा जगाने वाले विषयों से आते हैं। 'स्कूल ऑफ बेबेल' और 'सिंस ओटार लेफ्ट' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी फिल्मों की शुरुआत प्रायः वास्तविक जीवन के अनुभवों से होती है। उनके अनुसार फंडिंग के लिए स्क्रिप्ट और प्रस्ताव जरूरी होते हैं, फिर भी फिल्म बनाने की असली प्रक्रिया में असल जिंदगी की अनिश्चितताओं के लिए जगह बनी रहती है।

बर्टुसेली ने यह भी बताया कि फ्रांस में डॉक्यूमेंट्री को संस्थागत समर्थन मिलता है, जिसमें सिनेमा टिकटों से होने वाली कमाई का योगदान और 'थिएट्रिकल विंडो' जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। भारत की समृद्ध डॉक्यूमेंट्री परंपरा को देखते हुए आने वाले वर्षों में पेरिस में भारतीय डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का 'रिट्रोस्पेक्टिव' आयोजित करने की तैयारी भी चल रही है। एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने रचनात्मकता, कॉपीराइट और पानी-बिजली की खपत जैसे पर्यावरणीय असर पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि अत्यधिक निर्भरता से मानवीय स्मृति, स्वतंत्र सोच और मौलिकता को हानि पहुँच सकती है। उनके अनुसार डॉक्यूमेंट्री वास्तविक मानवीय बातचीत की सहज भावनाएं, खामोशियां, हाव-भाव और कमियां कैद करता है, जिनकी नकल एआई नहीं कर सकता।

भारतीय पैनोरमा जूरी: 358 प्रविष्टियों में से 20 फिल्मों का चयन, सच्चे भारत की झलक



भारतीय पैनोरमा जूरी: 358 प्रविष्टियों में से 20 फिल्मों का चयन, सच्चे (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। 57वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में भारतीय पैनोरमा गैर-फीचर फिल्म जूरी ने 358 प्रविष्टियों में से 20 फिल्मों के चयन की विचार-प्रक्रिया सामने रखी। जूरी के अध्यक्ष हिमांशु शेखर खटुआ ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका सबसे बड़ा प्रयास सिनेमा के जरिए भारत का सच्चा प्रतिनिधित्व करना था।

यह जानकारी इसलिए अहम है क्योंकि इससे पाठकों को यह समझ आता है कि गैर-फीचर श्रेणी में किस तरह की कहानियाँ चुनी गईं। खटुआ के अनुसार, चयनित फिल्में देश की बहुआयामी पहचान, वास्तविक अनुभव और सांस्कृतिक समृद्धि को दिखाने का प्रयास करती हैं, और साथ ही कहानियों की सार्वभौमिक भावना को भी प्रतिबिंबित करती हैं। महोत्सव की थीम 'सीमाविहीन कहानियाँ' इसी सोच से जुड़ी है।

खटुआ ने बताया कि जूरी ने कई चरणों में सिनेमा के पारंपरिक ढाँचे और मुख्यधारा की समझ से आगे जाकर कड़ी समीक्षा की। देश के अलग-अलग हिस्सों से अनोखे दृष्टिकोण और मजबूत कथानक वाली फिल्मों की पहचान की गई। फिल्मों का मूल्यांकन उनकी समग्रता के आधार पर हुआ, न कि केवल शैली या कहानी जैसे अलग-अलग पहलुओं के आधार पर।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर खटुआ ने कहा कि मानवीय कल्पना, संवेदनशीलता और दृष्टिकोण अद्वितीय और अपरिवर्तनीय हैं। उन्होंने माना कि एआई एक मूल्यवान रचनात्मक उपकरण हो सकता है, लेकिन इसका उपयोग मानवीय विचार की जगह लेने के बजाय कलात्मक रचना को समृद्ध करने के लिए होना चाहिए।

जूरी सदस्य श्रीमती आरती पटेल ने चयन प्रक्रिया को भाव-विह्वल करने वाला और अत्यंत लाभकारी बताया, खासकर प्रविष्टियों में विषय, थीम और दृष्टिकोण की असाधारण विविधता को देखते हुए। उनके अनुसार सिनेमा भाषाई, भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार कर लोगों और समुदायों को करीब लाता है। वहीं श्री अभिजीत अरविंद दलवी ने कहा कि प्रविष्टियों ने देश की फिल्म-निर्माण परंपराओं की समृद्धि और फिल्मकारों द्वारा अपने परिवेश की व्याख्या के विविध तरीके दिखाए।

श्रीमती रागिनी सोना ने थीम 'सीमाविहीन कहानियाँ' को सुंदर और अर्थपूर्ण बताते हुए सीमाओं को पार करने वाली कहानियों के महत्व पर जोर दिया। श्री शिव सनी ने सिनेमा की परिवर्तनकारी शक्ति की ओर ध्यान दिलाया और कहा कि अर्थपूर्ण कहानी केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सोचने पर मजबूर करती है, दृष्टिकोण बदलती है और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित कर सकती है। संवाददाता सम्मेलन का संचालन प्रेस सूचना ब्यूरो के अपर महानिदेशक श्री महेश कुमार ने किया।

इफ्फी में राकेश बेदी: किरदार को आईने के बजाय गहराई से समझें



इफ्फी में राकेश बेदी: किरदार को आईने के बजाय गहराई से समझें (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | पणजी

22 नवंबर। इफ्फी के दूसरे दिन अभिनेता राकेश बेदी ने कहा कि अभिनय नकल भर नहीं होना चाहिए, बल्कि किरदार की मानसिकता को भीतर तक समझकर ही उसका स्वाभाविक चित्रण संभव है। 57वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव में गोवा के पणजी स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' में जमील जमाली का किरदार निभाने के अपने अनुभव साझा किए।

यह चर्चा उन दर्शकों और फिल्म-प्रेमियों के लिए मायने रखती है, जो पर्दे पर दिखने वाले किरदार के पीछे की तैयारी जानना चाहते हैं। बेदी के अनुसार हास्य और गंभीर दृश्यों की टाइमिंग संयोग से नहीं आती, बल्कि हर हाव-भाव और चेहरे के भाव की योजना पटकथा और किरदार की यात्रा के अनुरूप पहले से सोच-समझकर बनाई जाती है।

बेदी ने थिएटर के अपने लंबे अनुभव को अभिनय की कला का मजबूत आधार बताया। उन्होंने कहा कि जमील जमाली को तैयार करने के लिए उन्होंने बारीकी से शोध किया और किसी भी किरदार की गतिविधियां व व्यवहार दृश्य की जरूरत के अनुरूप होने चाहिए। आईने के सामने अभ्यास को लेकर उनकी सलाह थी कि अभिनय करते समय खुद को देखना कलाकार के विकास में बाधा बन सकता है, क्योंकि अपने अभिनय का निष्पक्ष आकलन कठिन होता है।

अपने पांच दशक लंबे करियर का जिक्र करते हुए बेदी ने 'एक दूजे के लिए', 'तिरंगा' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी शुरुआती फिल्मों की लोकप्रियता को याद किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में सिनेमा का आकर्षण जबरदस्त था, लेकिन डिजिटल कनेक्टिविटी के अभाव में फिल्मों की पहुंच सीमित रहती थी। आज सोशल मीडिया ने दर्शकों के कलाकारों से जुड़ने का तरीका बदल दिया है और एक क्लिक में किसी अभिनेता का काम दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच सकता है।

प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस. जोहरी ने फिल्म के स्थानीय परिवेश को वास्तविक बनाने के प्रयासों के बारे में बताया। फिल्म के लिए टीम ने 40 से अधिक वास्तविक सेट तैयार किए। पाकिस्तान में वास्तविक लोकेशनों तक पहुंच न होने पर उन्होंने न्यूज़ आर्काइव, स्थानीय गैंगवार से जुड़ी रिपोर्टों, शहरी परिवेश और गूगल मैप्स का गहन अध्ययन किया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सत्र का संचालन मंत्रालय के अपर महानिदेशक महेश कुमार ने किया। यह संवाद इस बात का उदाहरण है कि इफ्फी फिल्मकारों, कलाकारों और दर्शकों को सिनेमा की रचनात्मक प्रक्रिया को करीब से समझने का मंच देता है।

एनआईएसडी ने 23 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया



एनआईएसडी ने 23 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | राष्ट्रीय

22 नवंबर। राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) ने देशभर के 23 विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया, जिससे उसकी संस्थागत साझेदारियों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। यह समारोह राष्ट्रीय राजधानी स्थित एनआईएसडी परिसर में आयोजित हुआ। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, इन समझौतों का उद्देश्य सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान को आगे बढ़ाना है।

ये समझौते नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कल्याण और भिक्षावृत्ति की रोकथाम जैसे विषयों को समेटते हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के अनुसार, विश्वविद्यालयों और ग्रामीण विकास संस्थानों के साथ साझेदारी से मादक पदार्थों की लत से प्रभावित लोगों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और भिक्षावृत्ति की ओर धकेले जाने की आशंका वाले लोगों के लिए प्रशिक्षण, पुनर्वास, आजीविका और सामाजिक समावेशन के अवसर बढ़ सकते हैं।

समारोह में 15 संस्थान सीधे उपस्थित रहे, जबकि 8 संस्थान वर्चुअल माध्यम से जुड़े। हस्ताक्षरित संस्थानों में राज्य ग्रामीण विकास संस्थान रांची, मेघालय और मणिपुर, तेलंगाना ग्रामीण विकास संस्थान, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के केंद्रीय विश्वविद्यालय, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर, तथा जामिया मिल्लिया इस्लामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और एम्स जोधपुर जैसे संस्थान शामिल हैं। समझौते के दायरे में पाठ्यक्रम विकास और जनसंपर्क तथा जागरूकता गतिविधियां भी आती हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांश पंत ने शैक्षणिक संस्थानों से नियमित नशा विरोधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने और नशा मुक्ति की शपथ दिलाने का आग्रह किया, ताकि विद्यार्थी यह संदेश परिवारों और समुदायों तक ले जा सकें। उन्होंने एनआईएसडी और सहयोगी संस्थानों के बीच नियमित समन्वय और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित प्रतिभागियों को 'वरिष्ठ नागरिक' और 'नशा विरोधी' शपथ दिलाई।

मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि संस्थानों के बीच नियमित संवाद, उठाए गए कदमों की समीक्षा और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने से विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में प्रभावी हस्तक्षेपों का विस्तार होगा। विभाग के अनुसार, इस नेटवर्क से प्रशिक्षण, जागरूकता, अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों के लिए एक सतत ढांचा विकसित होने की उम्मीद है।

एससीओ सभ्यता संवाद मंच: साझा विरासत देशों को जोड़ने का सशक्त माध्यम



एससीओ सभ्यता संवाद मंच: साझा विरासत देशों को जोड़ने का सशक्त माध्यम (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | नई दिल्ली

22 नवंबर। नई दिल्ली में आयोजित 'पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद मंच' के दूसरे दिन सांस्कृतिक विरासत को देशों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में रेखांकित किया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऐतिहासिक संबंधों ने देशों को एक-दूसरे के करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दिन भर सभ्यताओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, कला एवं वास्तुकला में साझा विरासत और ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों पर विचार-विमर्श हुआ।

इस मंच का महत्व आम पाठक के लिए इस बात में है कि यह सम्मेलन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए अवसर बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 नवंबर को इसका उद्घाटन किया था। यह आयोजन 20 से 22 नवंबर तक चल रहा है और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) इसका नॉलेज पार्टनर है।

शेखावत ने सत्रों में वैदिक प्रार्थना 'ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि सभ्यताएं केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि जीवंत परंपराएं हैं, जिनका ज्ञान वर्तमान को आलोकित करता है। उन्होंने संवाद, संस्थागत साझेदारी और सार्थक सहयोग के लिए साझा सभ्यतागत ज्ञान के उपयोग पर बल दिया और आशा जताई कि यह मंच सदस्य देशों के बीच स्थायी माध्यम के रूप में उभरेगा।

पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय के संघीय मंत्री डॉ. मुसद्दिक मसूद मलिक ने दिल्ली के पुराना किला का उदाहरण देते हुए कहा कि इसकी नींव हुमायूं ने रखी थी और निर्माण कार्य शेरशाह सूरी ने आगे बढ़ाया। उनके अनुसार एक ही दीवार के भीतर दो शासकों की कला और दो सांस्कृतिक परतें दिखती हैं, जो भारत की साझा विरासत और विविधता की जीवंत कहानी है। उन्होंने इस कार्यक्रम को 'तहज़ीब की गुफ़्तगू' या 'सभ्यताओं के संवाद' के रूप में सराहा।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने कहा कि यह फोरम सदस्य देशों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा सभ्यतागत मूल्यों को समझने का अवसर देता है। विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और एससीओ के राष्ट्रीय समन्वयक श्री आलोक डिमरी ने पहले सत्र का सारांश रखते हुए कहा कि सांस्कृतिक नेटवर्क, जलवायु, युवा, डिजिटलीकरण और संयुक्त परियोजनाएं साझा विषय रहे। चर्चा में यह भी बल दिया गया कि संस्कृति को सरकारी संस्थानों के दायरे से निकालकर लोगों के करीब लाया जाना चाहिए।

संयुक्त सत्र में अज़रबैजान, नेपाल और ताजिकिस्तान के संस्कृति मंत्रियों सहित बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, कंबोडिया, किर्गिस्तान, लाओस, रूस, सऊदी अरब और उज़्बेकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल हुए। दोपहर

के तीसरे सत्र में 'विभिन्न सभ्यताओं में कला और वास्तुकला: साझा सौंदर्यबोध' विषय पर भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री यदुबीर सिंह रावत की अध्यक्षता में चर्चा हुई, जिसमें अज़रबैजान की संस्कृति उप मंत्री सुश्री सादत युसिफोवा विशेष वक्ता रहीं।

जेल से लौटे लोगों के संघर्ष पर इफ्फी में बनी फिल्म 'न्यू होम' का वर्ल्ड प्रीमियर



जेल से लौटे लोगों के संघर्ष पर इफ्फी में बनी फिल्म 'न्यू होम' का वर्ल्ड (फ़ोटो: पत्र सूचना कार्यालय (PIB))

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। गोवा में 57वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में रूसी फिल्म निर्माता निकिता ग्रुशिन ने कहा कि जेल से समाज में लौटने वाले लोगों को अपना जीवन फिर से संवारने के लिए एक और मौका मिलना चाहिए। उनकी फिल्म 'न्यू होम' का इफ्फी 2026 में वर्ल्ड प्रीमियर हो रहा है। यह 101 मिनट की रूसी भाषा की फीचर फिल्म है, जो महोत्सव में साझेदार देश के रूप में रूस को सम्मानित करने वाले विशेष प्रदर्शन का हिस्सा है।

यह ख़बर इसलिए मायने रखती है क्योंकि फिल्म उन लोगों की ओर ध्यान खींचती है, जिनका संघर्ष अक्सर अनदेखा रह जाता है। जेल में कई साल बिताने के बाद समाज में लौटने वाले लोगों को अपने अतीत के बोझ से उबरने और नए सिरे से जीवन शुरू करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिल्म ऐसे पुरुषों और महिलाओं की जिंदगी को सामने लाती है, जो जेल से छूटने के बाद जीवन का नया अर्थ खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री ग्रुशिन ने बताया कि पुनर्वास से गुजर रहे लोगों से बातचीत के बाद उन्हें समझ आया कि समाज में वापसी कितनी कठिन होती है। उन्हें लगा कि इन अनुभवों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती, इसलिए उन्होंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश की गई फीचर फिल्म के माध्यम से ऐसी कहानियों को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचाने का फैसला किया।

फिल्म की कहानी ऐना नाम की एक महिला की है, जो सात साल जेल में रहने के बाद बाहर आती है। उसके पास पैसे, परिवार या आगे बढ़ने की स्पष्ट दिशा नहीं है। सामाजिक सेवाओं की मदद से उसे काम, रहने की जगह और एक सपोर्ट ग्रुप मिलता है, जहाँ उसकी मुलाकात रोमन से होती है। अपने अतीत और भीतर चल रहे संघर्षों के बीच उसे एक ऐसा मुश्किल फैसला लेना पड़ता है, जो उसका भविष्य तय कर सकता है। फिल्म अपराधबोध, क्षमा, पुनर्वास और दूसरे मौके की संभावना जैसे विषयों को छूती है।

श्री ग्रुशिन ने स्पष्ट किया कि ऐना का चरित्र किसी एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है। उन्होंने इसके बजाय उन कई लोगों के साथ हुई बातचीत से प्रेरणा ली, जो ऐसे ही हालात से गुजरकर अपनी जिंदगी फिर से संवारने की कोशिश कर रहे थे। उनके अनुसार जेल से बाहर आने वालों की चुनौतियाँ किसी एक देश या समाज तक सीमित नहीं हैं। सिनेमैटोग्राफर एकातेरिना स्मोलिना ने निर्देशक के साथ अपनी रचनात्मक साझेदारी को याद किया, जो फिल्म स्कूल के दिनों से चली आ रही है और जिसमें दोनों तीन शॉर्ट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

श्री ग्रुशिन ने भारत और रूस के सिनेमाई संबंधों पर भी बात की। उन्होंने याद किया कि सोवियत संघ में भारतीय फिल्में बेहद लोकप्रिय थीं और आज भी रूसी दर्शकों के बीच उनका खास स्थान है। उनका मानना है कि यह सहयोग केवल वित्तीय निवेश और तकनीकी आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव और लोगों के आपसी संबंधों को उजागर करने वाली कहानियाँ इसकी मजबूत नींव बन सकती हैं।

इफ्फी 2026 की थीम 'सीमाओं से परे कहानियाँ' के अनुरूप यह फिल्म सिनेमा की उस क्षमता को रेखांकित करती है, जो अलग-अलग वास्तविकताओं को करीब लाती है और साझा मानवीय अनुभवों के जरिए दर्शकों को जोड़ती है। रूस के साझेदार देश शोकेस के हिस्से के रूप में इसकी प्रस्तुति भारत और दुनिया के बीच सांस्कृतिक समझ बढ़ाने में महोत्सव की भूमिका को भी दर्शाती है।

लखनऊ में कौशल दीक्षांत समारोह: प्रधानमंत्री बोले, हुनर को मिले उतना ही सम्मान

4thcolumn | राष्ट्रीय

22 नवंबर। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने आईटीआई के छात्रों से कहा कि जितना सम्मान आईआईटी के छात्रों का होता है, उतना ही सम्मान कौशल सीखने वाले युवाओं का भी होना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी संबोधन के मूल पाठ के अनुसार उन्होंने इसे सामाजिक सोच में बदलाव की ज़रूरत बताया।

यह संबोधन आम पाठक के लिए इसलिए मायने रखता है क्योंकि इसमें आईटीआई में पढ़ाई को लेकर समाज की धारणा पर सीधी बात की गई है। प्रधानमंत्री के अनुसार, आईटीआई में दाखिला लेने वाले बच्चे का कई बार परिवार और रिश्तेदारों को बताने में संकोच होता है। ऐसे में यह संदेश उन युवाओं और अभिभावकों के लिए है जो हुनर को डिग्री जितना महत्वपूर्ण नहीं मानते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईटीआई में सीखा गया कौशल विकसित भारत की बड़ी ऊर्जा है। उन्होंने भारत की पारंपरिक कारीगरी का उल्लेख करते हुए लखनऊ की चिकनकारी, बनारस और कांजीवरम का रेशम, कश्मीर की पश्मीना, कलमकारी तथा कांस्य और पंचधातु की मूर्तियों का जिक्र किया। उनके अनुसार पहले समाज का आधार यही कौशल हुआ करता था।

अपने गुजरात के अनुभव को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि जब वे मुख्यमंत्री थे, तब अफसरों ने रोज़मर्रा की ज़रूरतों की सूची बनाई। एक सप्ताह बाद जो सूची आई, उसमें एक हज़ार काम शामिल थे। इसी सोच के आधार पर वहां कौशल विकास का आधुनिक इकोसिस्टम तैयार करने की बात कही गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कंपनी चलाने के लिए केवल कुछ प्रमाणपत्र धारक लोग काफ़ी नहीं होते, बल्कि 200-300 आईटीआई पास युवाओं की ज़रूरत पड़ती है। उन्होंने समारोह में मौजूद छात्रों के आत्मविश्वास और पहनावे की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसा ठाठ किसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कम दिखता है। कार्यक्रम में उन्होंने जयंत चौधरी और उनके अधिकारियों को बधाई भी दी।

अमित शाह ने ईटानगर में अरुणाचल की सुरक्षा और विकास की समीक्षा की

4thcolumn | ईटानगर

22 नवंबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा और सीमा प्रबंधन की उच्चस्तरीय समीक्षा की, और इसके बाद राज्य के विकास कार्यों की अलग बैठक में प्रगति का जायजा लिया। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, बैठकों की अध्यक्षता शाह ने की, जिनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध, आतंकवाद एवं उग्रवाद, पुलिस आधुनिकीकरण और आपदा प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा हुई। शाह ने केंद्र और राज्य की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, स्थानीय खुफिया तंत्र को मजबूत करने और संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी पर विशेष बल दिया। चीन के साथ लगभग 1,126 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क, सीमा चौकियों, हैलीपैड और दूरसंचार सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया गया।

आम नागरिकों के लिए इस समीक्षा का सीधा अर्थ यह है कि सीमावर्ती गांवों में सड़क, संचार और रोजगार की सुविधाएं बढ़ेंगी। वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम के तहत 455 सीमावर्ती गांवों में ₹2,875.17 करोड़ की लागत वाली 2,414 परियोजनाओं में से 1,099 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। बैठक में बताया गया कि राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2015-16 के ₹20,373 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में ₹50,651 करोड़ (अनुमानित) हो गया है।

नशा मुक्ति को लेकर शाह ने 2029 तक नशा मुक्त भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अवैध खेती के विनष्टीकरण, तस्करी नेटवर्क के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, जन-जागरूकता तथा नशामुक्ति एवं पुनर्वास सुविधाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। साइबर अपराध की रोकथाम के लिए हेल्पलाइन 1930 के प्रभावी संचालन और साइबर फॉरेंसिक क्षमता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

विकास समीक्षा बैठक में शाह ने निर्देश दिया कि सड़क निर्माण में उन क्षेत्रों को प्राथमिकता मिले, जहां सड़कों का घनत्व अब भी कम है। पर्यटकों की संख्या मौजूदा 9.18 लाख से बढ़ाकर 15 लाख करने, अच्छी गुणवत्ता वाले होमस्टे पर ध्यान देने और अंडे, मांस, मछली व डेयरी उत्पादों में आत्मनिर्भरता की बात कही गई। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण और अस्पतालों में प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

राज्य के मुख्य सचिव मनीष कुमार गुप्ता ने विकास कार्यक्रमों की प्रगति पर प्रस्तुति दी। बताया गया कि राज्य में सड़क निर्माण की गति प्रति वर्ष 300 किमी से बढ़कर 1,800 किमी हो गई है, और अरुणाचल कीवी का देश में सबसे बड़ा उत्पादक है। बैठक में शाह ने कीवी, संतरा और बड़ी इलायची के अलावा बागवानी की दो और फसलों को विशेष विकास के लिए चुनने की बात कही। 'मिशन कृषि वीर' और 'मिशन अरुण हिमवीर' के तहत पहले सुरक्षा बलों की जरूरतों के आकलन और फिर गांवों को उन्हें पूरा करने में सक्षम बनाने का दृष्टिकोण भी रखा गया।

भारत और स्पेन ने इफ्फी 2026 में सह-निर्माण समझौते को अपडेट करने पर चर्चा की

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। भारत और स्पेन मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण समझौते को अपडेट करने और वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के माध्यम से सहयोग का विस्तार करने पर बातचीत हुई है। यह पहल उस समय हो रही है जब स्पेन भारत के 57वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में सम्मानित देश के रूप में भाग ले रहा है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मंत्रालय के संयुक्त सचिव (प्रसारण) श्री पृथुल कुमार ने गोवा में स्पेन के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसमें मंत्रालय और इंडिया सिने हब (आईसीएच) के अधिकारी भी शामिल थे। स्पेन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्पेनिश इंस्टीट्यूट ऑफ सिनेमैटोग्राफी एंड ऑडियोविजुअल आर्ट्स (आईसीएए) की महानिदेशक सुश्री मार्टा सेरानो ने किया, जो स्पेन के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

यह बातचीत मुख्य रूप से फिल्म और ऑडियो-विजुअल निर्माण में द्विपक्षीय रिश्तों को गहरा करने पर केंद्रित रही। भारत और स्पेन के बीच यह सह-निर्माण समझौता 2012 में हुआ था, और अब इसे अपडेट करने का मकसद इस सहयोग के ढांचे को मजबूत करना है। स्पेन की ओर से प्रस्तावित नए ढांचे में

फिक्शन, एनीमेशन और डॉक्यूमेंट्री परियोजनाओं के साथ-साथ टेलीविज़न सीरीज़ और फिल्मों में साझेदारी की परिकल्पना की गई है।

दोनों देशों के फिल्म और रचनात्मक उद्योग के लिए इसका सीधा अर्थ है कि संयुक्त निर्माण के अवसर बढ़ सकते हैं। इफ्फी 2026 में स्पेन की भागीदारी समकालीन स्पेनिश सिनेमा को मंच देने के साथ-साथ भारतीय और स्पेनिश फिल्म उद्योगों के पेशेवरों को आपस में जोड़ने का अवसर भी है। महोत्सव 20 से 28 नवंबर, 2026 तक गोवा में आयोजित किया जा रहा है।

वेव्स फिल्म बाज़ार का 20वां संस्करण 20 से 24 नवंबर, 2026 तक पणजी में होगा, जो दोनों देशों के ऑडियोविज़ुअल उद्योगों के लिए बातचीत का एक और मंच बनेगा। स्पेनिश कार्यक्रम में 22 नवंबर को विशेष स्पेनिश दिवस होगा, जिसमें इंडस्ट्री पैनल और दोनों देशों के पेशेवरों के बीच बातचीत के अवसर होंगे। ये चर्चाएं ऑडियोविज़ुअल सहयोग, सह-निर्माण और पेशेवर आदान-प्रदान में दोनों देशों की साझा रुचि को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा सांसद रामराव वडकुते के निधन पर शोक जताया

4thcolumn | राष्ट्रीय

22 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा सांसद श्री रामराव वडकुते के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मोदी ने कहा कि समाज में उनके योगदान और गरीबों तथा वंचितों की सेवा पर उनके ध्यान को हमेशा याद रखा जाएगा।

सार्वजनिक जीवन में नेताओं के निधन पर प्रधानमंत्री की ओर से दी गई यह श्रद्धांजलि इसलिए मायने रखती है क्योंकि यह एक संसद सदस्य के सामाजिक सरोकारों की ओर ध्यान दिलाती है। वंचित और गरीब वर्ग की सेवा को उनकी पहचान के केंद्र में रखा गया है।

प्रधानमंत्री ने 'X' पर पोस्ट कर भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा कि महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत करने के उनके प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय थे। उन्होंने कहा कि उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं।

मराठी में जारी संदेश में भी प्रधानमंत्री ने इसी भाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि समाजसेवा में उनका योगदान और गरीब एवं वंचित घटकों के लिए उनका प्राथमिकता देने वाला दृष्टिकोण सदैव स्मरण किया जाएगा। इस दुःखद प्रसंग में उन्होंने उनके कुटुंबीयों और चाहने वालों के दुःख में सहभागिता जताई।

प्रधानमंत्री की यह श्रद्धांजलि 22 नवंबर 2026 को पीआईबी दिल्ली के माध्यम से सार्वजनिक की गई।"

कार्ला सोफिया गस्कॉन: सिनेमा भावनाओं की भाषा से दुनिया को जोड़ता है

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। प्रसिद्ध अभिनेत्री कार्ला सोफिया गस्कॉन ने गोवा में 57वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में कहा है कि सिनेमा भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे है और मानवीय भावनाओं की सार्वभौमिक भाषा के जरिए लोगों को जोड़ता है। उन्होंने यह बात 'स्टेजेस अक्रॉस बॉर्डर्स' नामक विशेष मास्टरक्लास में कही।

यह संदेश उन सभी के लिए मायने रखता है जो फिल्मों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संवाद का माध्यम मानते हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मास्टरक्लास में उभरते कलाकारों, फिल्म निर्माताओं और सिनेमा प्रेमियों को रचनात्मक प्रक्रिया, अभिनय की बारीकियों और फिल्म निर्माण की सामूहिक कला के बारे में जानकारी मिली।

गस्कॉन ने जुनून और समर्पण पर जोर देते हुए उभरते कलाकारों से खुद पर विश्वास रखने, अपनी विशिष्टता को अपनाने और अपने काम के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उनके अनुसार बेहतरीन अभिनय के लिए अपने पेशे से सच्चा लगाव बेहद जरूरी है।

अभिनय के अपने दृष्टिकोण पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि वे हर किरदार में पूरी तरह डूब जाती हैं और स्क्रीन पर वास्तविकता लाने के लिए गहरे भावनात्मक जुड़ाव का सहारा लेती हैं। उन्हें लीक से हटकर और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना पसंद है। उनके शब्दों में, अपने निजी अनुभवों से बिल्कुल अलग किरदार निभाने से रचनात्मक खोज, कलात्मक विकास और खुद को बेहतर ढंग से समझने के अवसर मिलते हैं।

उन्होंने अभिनय को चुनौतियों और नई खोजों की निरंतर यात्रा बताया और कहा कि हर किरदार नए नजरिए और अलग दृष्टिकोण की मांग करता है। सिनेमा को उन्होंने एक ऐसी वैश्विक भाषा बताया जो लोगों को उनकी भौगोलिक या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परे, मानवीय भावनाओं के जरिए एक-दूसरे के करीब लाती है।

फिल्म निर्माण की सामूहिक प्रकृति को रेखांकित करते हुए उन्होंने क्रिएटिव टीम के हर सदस्य के योगदान की सराहना की। उनका कहना था कि किसी फिल्म का स्वरूप अंततः उसे बनाने वालों की सामूहिक सोच और प्रयासों से ही तय होता है।

एनएफडीसी और सोनी पिक्चर्स ने पांच भाषाओं में मौलिक कंटेंट के लिए मंच खोला

4thcolumn | मनोरंजन

22 नवंबर। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने गोवा में 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के दौरान एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए लेखकों और रचनाकारों के लिए नया रास्ता खोला है। वेव्स बाजार × एसपीएनआई कंटेंट क्रिएटर सबमिशन पहल के तहत देशभर के लेखक, रचनाकार और प्रोडक्शन हाउस हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और बांग्ला में अपनी मौलिक फिक्शन और नॉन-फिक्शन अवधारणाएं प्रस्तुत कर सकेंगे।

यह पहल उन रचनाकारों के लिए अहम है जिनके विचार अब तक स्थापित मंचों तक नहीं पहुंच पाते थे। चयनित आवेदकों को अपनी अवधारणाएं सीधे एसपीएनआई के समक्ष रखने और संभावित विकास पर विचार का अवसर मिलेगा। क्षेत्रीय भाषाओं में लिखने वालों के लिए यह सीधा संपर्क विशेष मायने रखता है।

प्रविष्टियां कई प्रारूपों में आमंत्रित की गई हैं, जिनमें फिक्शन सीरीज, प्रीमियम टीवी+ कंटेंट, रियलिटी शो, गेम और प्रतियोगिता प्रारूप, प्रतिभा-आधारित कार्यक्रम तथा अन्य गैर-पटकथा अवधारणाएं शामिल हैं। इससे विचार के स्तर पर अलग-अलग तरह की रचनात्मकता के लिए दरवाज़े खुले हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में एनएफडीसी का उद्योग मंच वेव्स बाजार रचनात्मक प्रतिभाओं को भारत के मीडिया और मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों से जोड़ता है। इस सहयोग का उद्देश्य मौलिक कथा-कथन के अवसरों का विस्तार करना है, खासकर क्षेत्रीय बाजारों से आने वाली प्रतिभाओं के लिए, ताकि विविध आवाजें व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकें।

एनएफडीसी के अध्यक्ष श्री जी. कृष्णकुमार ने कहा, "इफ़्फी सिनेमा और इसे संभव बनाने वाले लोगों का उत्सव है। फिल्मों और आवाजों की विविधता ही इस संस्करण को विशेष बनाती है।" वहीं एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक श्री धीरज सिंह ने कहा कि वेव्स बाजार रचनात्मक प्रतिभाओं और उद्योग के बीच सार्थक संपर्क स्थापित करने का काम निरंतर कर रहा है।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री गौरव बनर्जी ने कहा, "देशभर में अपार रचनात्मक प्रतिभा है और ऐसे विचार भी हैं, जिन्हें हमेशा स्थापित मंचों तक पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाता।" प्रविष्टियों का प्रबंधन एनएफडीसी वेव्स बाजार पोर्टल (wavesbazaar.com) के माध्यम से करेगा और पारस्परिक रूप से सहमत मानदंडों के आधार पर प्रारंभिक सूची तैयार करेगा।

विज्ञापन

VIKSIT BHARAT
FOURTH COLUMN WELFARE FOUNDATION
VBFC 2047

VBFC WELFARE FOUNDATION
विकसित भारत फोर्थ कॉलम वेलफेयर फाउंडेशन
सेवा • शिक्षा • समृद्धि
सेक्शन 8 • NGO दर्पण पंजीकृत • 12A • 80G

गाँव-शहर में सकारात्मक बदलाव के लिए
आप भी जुड़ें, सहयोग करें
दान पर 80G के तहत आयकर छूट
संपर्क: 93409 68165

विज्ञापन

अपने व्यवसाय का विज्ञापन यहाँ दें
6261667774 • 4thcolumn.in@gmail.com

NEWS 4TH COLUMN डिजिटल संध्या — RNI: DELHIN/2015/64915 | संपर्क: 6261667774 • 4thcolumn.in@gmail.com • bharat.4thcolumn.in | Franchisee of Lead India | यह ई-संस्करण वेबसाइट पर प्रकाशित ख़बरों का संकलन है; पूरी और ताज़ा ख़बरें वेबसाइट पर पढ़ें।